**अकिंचन प्रारूपों में अपील के आवेदनपत्र**

**(आदेश 44, नियम 1)**

**(हक)**

मैं ऊपर नामित किया गया ......... ऊपर वाद में डिक्री से पृथक साथ पिप जा रहे ज्ञापन को प्रस्तत करता हूँ और एक अकिचन के रूप में अपील को अनुज्ञात किया

जाने के लिए आवेदन करता हूँ।

उपाबद्ध उसके प्राक्कलित मूल्य के साथ मेरी होने वाली संपूर्ण स्थावर एवम् जंगम सम्पत्ति की

एक पूर्ण एवम् सत्य अनुसूची है।

**तारीख.........**

**(हस्ताक्षरित)**

**नोट-**

जहाँ आवेदनपत्र वादी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है वहाँ उसको यह कथन करना चाहिए कि क्या उसने आवेदन किया और अकिंचन के रूप में प्रथमतः न्यायालय में वाद लाने के लिए अनुज्ञात किया गया।